प्रेस–विज्ञप्ति 04.01.2017

दिनांक 04 जनवरी, 2017 को सायं 04:00 बजे से मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश द्वारा माननीय डॉ. मुरली मनोहर जोशी, सांसद, कानपुर नगर के जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर उनको शुभकामनाएँ देने का विशेष आयोजन किया गया।

सत्र का प्रारम्भ करते हुए मर्चेंट्स चैम्बर के अध्यक्ष श्री पदम कुमार जैन ने माननीय डॉ. मुरली मनोहर जोशी, सांसद, कानपुर नगर, को उनके जन्मदिवस की संध्या पर शुभकामना देते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। श्री जैन ने समारोह में उपस्थित प्रबुद्ध जनों एवं मीडिया कर्मियों का स्वागत किया। श्री जैन ने केंद्र सरकार द्वारा लिए गए विमुद्रीकरण के कदम का स्वागत किया एवं यह भारत सरकार का यह सकारात्मक कदम निकट भविष्य में क्रांति लाएगा। श्री जैन ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग कानपुर शहर में मेट्रो रेल की सेवा की नीव पड़ चुकी है एवं कानपुर से हवाई यात्रा का प्रारम्भ हो चुका है। श्री जैन ने कहा की GST को लागू किया जाना देश के आर्थिक सुधार के लिए अत्यंत आवश्यक है। श्री जैन ने यह भी कहा की देश में कैश की कमी से मांग में जो कमी आ रही है सरकार इस समस्या को दूर करने का शीघ्रातिशीघ्र उपाय करे। श्री जैन ने कहा कि माननीय डॉ. जोशी जी से विनम्र निवेदन है की समाज के प्रत्येक वर्ग को ध्यान में रखकर अपना विचार प्रस्तुत करे।

मर्चेंट्स चैम्बर के सदस्य श्री गोविन्द प्रधान ने डॉ. मुरली मनोहर जोशी का जीवन-वृतान्त सुनाया।

आयोजित समारोह में डॉ. मुरली मनोहर जोशी द्वारा विमुद्रीकरण के पश्चात आर्थिक व्यवस्था को सामान्य बनाना, डिजिटल पेमेंट तथा GST पर मार्गदर्शन एवं लेस कैश व्यवस्था के प्रति जागरूकता जैसे विषयों पर विचार व्यक्त किया।

डॉ. जोशी ने कहा कि किसी भी देश को विकसित करने की आधारशिला उसका व्यपार, नवयुवक एवं वहां की शिक्षा का स्तर होता है। डॉ. जोशी ने मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मर्चेंट्स चैम्बर द्वारा कई समितियां बनायी गयी, जिसके द्वारा दिए गए सुझावों का क्रियान्वन हुआ। डॉ. जोशी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा लागू किया गया विमुद्रीकरण का कदम उनके और कुछ अति-विशिस्ट अधिकारियों के अतिरक्त कोई नहीं जानता था, लेकिन माननीय प्रधानमंत्री जी तक सुझाव प्रेषित करना जनता का काम होता है। डॉ. जोशी ने कहा कुछ आर्थिक सलाहकारों के विचार के आधार पर देश में मुद्रा का प्रवाह सीमित संख्या में होना चाहिये। डॉ. जोशी ने कहा कि हमारे देश का व्यापार पश्चिमी देशों में विस्थापित हो गया है। डॉ. जोशी ने कहा की जी.एस.टी. को पूर्णतया लागू करना एक बहुत बड़ा बिंदु है क्योकि जी.एस.टी. कौंसिल को यह ध्यान देना पड़ रहा है की किसी भी राज्य को नुकसान न हो (क्योकि केंद्र और राज्य दोनों का अपना-अपना कर लगाने का अधिकार है) और इसका अधिक बोझ अंतिम-उपभोक्ता पर न आने पाए। डॉ. जोशी ने कहा कि जी.एस.टी. कौंसिल के लिए महत्वपूर्ण विषय यह है कि कौन सी वस्तुओं को जी.एस.टी. के किस कर के दायरे में रखना है लेकिन डॉ. जोशी ने यह आश्वस्त किया कि जी.एस.टी. कौंसिल की आने वाली कुछ बैठकों में इस समस्या का निदान भी हो जाएगा।

डॉ. जोशी ने कहा विमुद्रीकरण के पश्चात सरकार को यह देखना अत्यंत आवशयक होगा कि निकट भविष्य में फिर से काला धन संचय न होने पाए। उन्होंने यह भी कहा कि काला धन का कुछ प्रमुख स्त्रोत जैसे सोना, देश में खरीदी गयी बड़ी-बड़ी प्रॉपर्टी, ओवर / अंडर इनवॉयसिंग भी काला धन का एक स्त्रोत है, जिसको मॉनिटर करना बहुत जरुरी है। डॉ. जोशी ने कहा की व्यापार के अनुकूल शासन (Business Friendly Governance) बनाने की दिशा में प्रयास करना चाहिए एवं इसकी लिए देश के प्रत्येक वर्ग को अपने सुझाव प्रेषित करने चाहिए।

डिजिटलीकरण पर अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. जोशी ने कहा कि अभी यह निम्न वर्गों तक पहुचने में थोड़ा समय लग सकता है लेकिन समाज की काफी वर्गों तक इसकी पहुच पहले ही हो चुकी है तथा लोग बड़े संख्या में वीसा, क्रेडिट कार्ड्स एवं ऑनलाइन खरीददारी कर रहे है। डॉ. जोशी ने यह भी कहा जैसे-जैसे भारत टेक्नोलॉजी की दिशा में कदम बढाता जाएगा वैसे-वैसे लोग टेक्नोलॉजी से चिर-परिचित होते जायेंगे। उन्होंने यह भी कहा की लम्बी-अवधि में सरकार का यह कदम देश को फायदा देगा लेकिन अभी समाज के एक विशेष वर्ग को ध्यान में इसका समाधान शीघ्रातीशीघ्र करना चाहिए। उन्होंने कहा की टेक्नोलॉजी को सीखने से पहले देश के नवयुवकों को टेक्नोक्रेट बनाना जरुरी है।

समारोह के अन्त में आये हुए प्रबुद्ध जनों ने डॉ. जोशी के विचारों को सुनकर उनका श्रवण किया तथा अपनी जिज्ञासाओं को उनके समक्ष रखा एवं उससे सम्बंधित समाधान डॉ. जोशी द्वारा किया गया।

समारोह का संचालन मर्चेंट्स चैम्बर के सदस्य श्री अतुल कनोडिया ने किया एवं धन्यवाद-प्रस्ताव मर्चेंट्स चैम्बर के उपाध्यक्ष श्री बी.के. लाहोटी ने प्रस्तुत करते हुए डॉ. जोशी को उनके 84वें जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी एवं श्री लाहोटी ने कहा कि मर्चेंट्स चैम्बर डॉ. जोशी के माध्यम से जी.एस.टी. के प्रोविसन के सरलीकरण के लिए जी.एस.टी. कौंसिल को एक प्रतिवेदन भी भेजेगा।

सत्र के अन्त में मर्चेंट्स चैम्बर के अध्यक्ष श्री पदम् जैन द्वारा डॉ. जोशी को स्मृति-चिन्ह भेट किया गया।

सत्र में उपस्थित गणमान्य: डॉ. आई.एम.रोहतगी, डॉ. अवध दुबे, श्री सुनील खन्ना, श्री मुकुल टंडन, श्री नरेन्द्र शर्मा, श्री टीकम चन्द्र सेठिया, श्री सलिल विश्नोई, श्री सुरेन्द्र मैथानी, ब्राह्मण परशुराम समिति से श्री शेष नारायण त्रिवेदी एवं एस. सी. गर्ग, श्री बी.एम. गर्ग, श्री विजय पाण्डेय, श्री सुधीन्द्र जैन, श्री लछमन दास रूपानी, श्री महेंद्र कटारिया, मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश तथा कानपुर के अन्य प्रतिष्ठित संस्थाओं के सदस्यगण उपस्थित थे।

सधन्यवाद

मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश